P-1112

Total Pages : 3 Roll No. .....

DMA-101

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. सृष्टि एवं ब्रह्माण्ड के अन्त:सम्बन्ध पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

2. रोग एवं रोगी के परीक्षण के विविध ज्योतिषीय उपकरणों का वर्णन कीजिए।

3. ग्रहों के प्रभाव को जानने की विविध ज्योतिषीय प्रविधियों का वर्णन कीजिए।

4. आयुर्वेद की दृष्टि से रोगों का परिचय देते हुए रोग परिज्ञान में ज्योतिष की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5. चिकित्सा ज्योतिष की वर्तमान काल में प्रासङ्गिकता पर विचार व्यक्त करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. प्रारब्ध से क्या अभिप्राय है? विस्ता में वर्णन कीजिए।

2. चिकित्सा के विविध भेदों का परिचय दीजिए।

3. साध्य-असाध्य रोगों का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. कर्मफल पर टिप्पणी लिखें।

5. रोग के परीक्षण के ज्योतिषीय उपकरणों का वर्णन कीजिए।

6. ज्योतिष एवं आयुर्वेद के अन्त:सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए।

7. रोगोत्पत्ति के ज्योतिषीय कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. ग्रह मानव को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? टिप्पणी लिखें।